

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
			साखी - ३			
सतनाम			उर लोचन मगु देखिके, हाजिर हाल हजूर।		सतनाम	
			प्रगट प्रताप नाम कर, प्रेम भक्ति बिनु दूर॥			
			चौपाई			
सतनाम			चिन्हु न सतगुरु देखि पराहू। का मद माया विषै रस खाहू।१७।		सतनाम	
			यह संसारमाया कलवारी। मदे मताय भर्म करि डारी।१८।			
सतनाम			खोजहु सतगुरु प्रेम समोई। उज्जवल दशा हंस गुन होई।१९।		सतनाम	
			मुरुचा मकुर सिकिल करु नीके। तजि छल कपट साफ करु हीयके।२०।			
सतनाम			नाम निशान देखि निज पलके। जगमग ज्योति झलामलि झलके।२१।		सतनाम	
			उर अन्दर जब होय उजियारा। बरे ज्योति दिल निर्मल सारा।२२।			
सतनाम			मति करु जोर जुलुम जग माहीं। निज स्वारथ रत यह भल नाहीं।२३।		सतनाम	
			भूलहू जीव बध जनि करहू। ओएल के वोएल जानि परिहरहू।२४।			
			साखी - ४			
सतनाम			जस प्यार जीव आपना, तस जीव सबहीं प्यार।		सतनाम	
			जानहिं सन्त सुबुद्धि जन, जिनके विमल विचार॥			
			सोरठा - १			
सतनाम			मकुर मैलि नहिं होय, दिल चश्मा कहँ साफ करु।		सतनाम	
			सब घट एके सोय, महल महरमी होए रहे॥			
			चौपाई			
सतनाम			निज जीव सम सब जीव जग माहीं। जानहिं साधु ज्ञान जेहि पाहीं।२५।		सतनाम	
			मति करु खून पिवै जनि दाखु। गर्व गरुरि दूरि करि डाखु।२६।			
सतनाम			मोह माया मद तेजहु विकारा। करहु भक्ति सतगुरु गुण सारा।२७।		सतनाम	
			जौं तुम चहसि मदिप संग बासा। आए पिवो मद मय बिनु कासा।२८।			
सतनाम			लेहु प्रेम करि ढरि पिलावों। प्रीति रीति करि पियहि मिलावों।२९।		सतनाम	
			मंजन जलनिधि संगम गंगा। सत सुकृत को उठे तरंगा।३०।			
सतनाम			करु स्नान विमल मन होई। बारु दया दिल दीपक सोई।३१।		सतनाम	
			कब तक दोजक आँच से डरहू। भर्म से बिहिश्त भरोसा करहू।३२।			
			साखी - ५			
सतनाम			बिनु माशूक का आस की, एहि दोजक की आँच।		सतनाम	
			मिलि रहना महबूब से, सोइ बिहिश्त है साँच॥			
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
			चौपाई			
सतनाम	नबी महम्मद दीन पैगम्बर। कहा खूब समुझहु दिल अन्दर।३३।	सतनाम	गुजर गरीबी बुजुरुग होई। फक्का फकर फकीरा सोई।३४।	सतनाम	राज किया दुःख काहु न दीन्हा। लेकर करद जबह नहिं कीन्हा।३५।	सतनाम
सतनाम	खून खाराब मना सब कियऊ। पहिलहिं इब्राहिम से भयऊ।३६।	सतनाम	तेहि कुल जन्म लीन्ह उन्हि आई। निज कर बिस्मिल्ल कीन्ह न भाई।३७।	सतनाम	जो तुम्ह उमत महम्मद अहहू। मानहु बचन दीन में रहहू।३८।	सतनाम
सतनाम	का माया मद पियहु दूकानी। तजि अमृत विष अँचवहु जानी।३९।	सतनाम	पियहु नाम मद असल करारा। रहहु मस्त कल्पन्हि मतवारा।४०।	सतनाम		सतनाम
			साखी - ६			
सतनाम	एहि भव शोक संताप बहु, निकल सिताबी आव।	सतनाम	माया काँट अति कठिन है, अब जनि करु फैलाव।।	सतनाम		सतनाम
			चौपाई			
सतनाम	एह भव सिन्धु रक्त सब खाई। भँवर तरंग धार कठिनाई।४१।	सतनाम	जीवहि बोहाय चकोह धुमावै। बिना जहाज पार किमि पावै।४२।	सतनाम	त्रिगुण त्रिविध धार अति बाँकी। बूड़ि मुए भव सब पौराकी।४३।	सतनाम
सतनाम	नाम जहाज सुकृत कंनहारा। चढ़हिं सन्त जन उतरहिं पारा।४४।	सतनाम	करहु मान सरवर महं बासा। मोती मुक्ता सीप गुण दासा।४५।	सतनाम	द्रव्य हो न हित फिरहु उदासी। यह माया कहु का कर दासी।४६।	सतनाम
सतनाम	माया काहू की भई न होनी। नेक नाम गुण रहि गौ छोनी।४७।	सतनाम	नेक नाम जग जो तुम चहहु। जोर जुल्म सबसे परिहरहू।४८।	सतनाम		सतनाम
			साखी - ७			
सतनाम	बदी जालिम जो करे, यह काफर को काम।।	सतनाम	नेक मर्द डरता रहे, जाने अल्लह कलाम।।	सतनाम		सतनाम
			चौपाई			
सतनाम	खास खोदाय नबी से बरनी। धृग जीवन जग जालिम करनी।४९।	सतनाम	पिवै शराब खून करि खाई। लानत नबी देहु तेहिं जाई।५०।	सतनाम	तैसहिं कृष्ण गीता महँ कहेऊ। बिरला करि विवेक सो लहेऊ।५१।	सतनाम
सतनाम	निज मुख कृष्ण सो कहा बखानी। जीव दया गीत महँ जानी।५२।	सतनाम		सतनाम		सतनाम
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
सो तजि पण्डित दुर्गा पाठा। मचा सकल जग अवघट घाटा।५३।	जीव बध महा पाप अति भारी। पण्डित जानु न कहे विचारी।५४।	जीवन जन्म धृग पण्डित केरा। आवहु सतगुरु शरण सबेरा।५५।	जो तोहिं खून साँच मन भावा। करहु खून हम तुमहिं बतावा।५६।	साखी - ८	ज्ञान खड़ग दृढ़ के गहो, कामादिक भट मारि।	पांच पचीसहिं जीति के, कर्म भर्म सब झारि॥
				सोरठा - २	ज्यों चाहसि मदपान, रहहू बेहोश भव शोक से।	तजि पाखण्ड अभिमान, नाम अमल माता रहे॥
				चौपाई	जौ तुम नाम अमल सुचि चहहू। मिले तबहिं सतगुरु पद गहहू।५७।	प्रेम प्रीति से देहिं पियाई। करै कैफ दिल रौशन भाई।५८।
				दिन दिन अधिक मस्त सरसारा। रहे सो कल्प कोटि मतवारा।५९।	महा प्रलय की डर नहिं आवै। जा कहं सतगुरु ढारि पिलावै।६०।	बैठहिं साधु सन्त जेहिं बारी। यार मिलन की सो फुलवारी।६१।
				चुनहिं फूल अधिक रुचि जाहाँ। दास भाव करि बैठहु ताहाँ।६२।	शाकी सतगुरु प्रेम प्याला। जो जेहिं लायक तेहिं तस ढाला।६३।	नाम ज्ञान मद देहिं मताई। कैफ से दिल अँजोर होय जाई।६४।
				साखी - ९	छत्र फिरे सिरें मनि बरे, झलके मोती श्वेत।	कहें दरिया दर्शन सही, गुरु ज्ञानी का हेत॥
				चौपाई	ताहि बाटिका कर तैं माली। भूलि परा भव भर्म कुचाली।६५।	तैं तेहि बन का अहसि पखेरु। यहाँ आय भौ यम कर चेरु।६६।
				हरा तुम्हारा सुमन बगीचा। भूले तुम आपन दिल हींचा।६७।	नव बहार है बग तुम्हारा। भर्म कर्म में भूलि बिसारा।६८।	अब सतगुरु पद परसहु आई। दया दृष्टि करि देहिं लखाई।६९।
				यार मिलन की जो फुलवारी। दरसे देखाहु दृष्टि पसारी।७०।		
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
सतनाम	मुलाकात करु तेग प्रहारु। शोक जुदाई मारि निकारु।७१।	सतनाम	पियहु अघाय नाम मद भारी। मिटे माया मद सकल खुमारी।७२।	सतनाम	साखी - १०	सतनाम
सतनाम	प्रेम प्याला पाइके, तन मन डारहु वारि।	सतनाम	होइ बेहोश जग से रहो, ज्ञान स्वरोदय विचारि॥	सतनाम	चौपाई	सतनाम
सतनाम	होहि बेहोश मस्त मतवारा। छूटि जाय भव रुज परिवारा।७३।	सतनाम	माया बिलगि की शोक न आवै। यार मिलन की माया न भावै।७४।	सतनाम	यह भव जरा मरन को देशा। छोड़ि देहु जीव कठिन कलेशा।७५।	सतनाम
सतनाम	अक्षय वृक्ष छपलोक निनारा। तैं बिहंग ते द्रुम की डारा।७६।	सतनाम	भव सागर में परहु भुलाई। चेतहु तबहिं भला है भाई।७७।	सतनाम	का सुख यह मुर्दा कर गाऊँ। मरि मरि जन्म होय जेहिं ठाऊँ।७८।	सतनाम
सतनाम	जो न अक्षय बट नामहिं जाना। यह भव सुख निज स्वप्न समाना।७९।	सतनाम	कहें दरिया रहु सतगुरु शरना। अवश्य एक दिन आखिर मरना।८०।	सतनाम	साखी - ११	सतनाम
सतनाम	दुःखे सुखे दिन काटिये, धूपे रहिये सोय।	सतनाम	तातर आसन कीजिये, जो पेड़ पातरो होय॥	सतनाम	चौपाई	सतनाम
सतनाम	इमि रसूल से रब कहि दीन्हा। यह जहान पैदा हम कीन्हा।८१।	सतनाम	करे बन्दगी सब दिन मेरा। सुनहु दोस्त सब उम्मत तेरा।८२।	सतनाम	लिखा नबी कोरान में आयत। मेरी उम्मत करो हकताएत।८३।	सतनाम
सतनाम	करहु बन्दगी असल करारा। सो तजि का तुम्ह मकर पसारा।८४।	सतनाम	अलफी गुदरी सेली डारी। पीर कहावहू दर्द बिसारी।८५।	सतनाम	माला कंठी तिलक बनावै। बुत पूजै कोई शंख बजावै।८६।	सतनाम
सतनाम	नाना पाखाण्ड भेष सँवारा। गुरु कहावहिं एहि संसारा।८७।	सतनाम	गर्व गुमान करे मगरूरी। एहि नहिं होइहैं बन्दगी पूरी।८८।	सतनाम	साखी - १२	सतनाम
सतनाम	सरिकत तरिकत मारफत, कहै हकीकत जानि।	सतनाम	दर्द राखै दरवेस है, करै विहिश्त पहिचानि॥	सतनाम		सतनाम
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
			चौपाई			
सतनाम	मकर बन्दगी छाडु सबेरा। नहिं राजी होय साहब मेरा।८६।	सतनाम	एहि बन्दगी से नहिं बड़ाई। हरगिज बहिश्त मिले नहिं भाई।८७।	सतनाम	दोजक आँच सहै अति भारी। मकर बन्दगी देहु बिसारी।८८।	सतनाम
सतनाम	पाखण्ड से प्रभु मिलै न काहू। कहों सुभाव साँच पतियाहू।८९।	सतनाम	बरबस पाखण्ड करहु बनाई। द्रव्य हरहु सब जगत रिझाई।९०।	सतनाम	पाखण्ड कर्म सभे बिसरावहु। सुनहु न श्रवण टारि बहलावहु।९१।	सतनाम
सतनाम	गफलत रूई कान महँ तेरे। का दे राखु निकालु सबेरे।९२।	सतनाम	मकर बन्दगी करि दुःखा होई। छोड़ दे मकर फकर है सोई।९३।	सतनाम		सतनाम
			साखी - १३			
सतनाम	दरबेसा दिल दर्द है, दरबेसा दरबेस।	सतनाम	दरबेसा दिल सवुर है, दरबेसा नहिं भेस॥	सतनाम		सतनाम
			चौपाई			
सतनाम	असल बन्दगी साधुन्हँ जाना। यारी मिलन की बाग अमाना।९४।	सतनाम	साँच बन्दगी सन्तन्हि केरा। मस्त सो मगन गगन में डेरा।९५।	सतनाम	तहाँ जाय बैठहु तुम भाई। आशिक फूल चुनहिं जेहि ठाई।९६।	सतनाम
सतनाम	पहिले दिल से दोविधा टारो। गर्व गरुरि दूरि करि डारो।९७।	सतनाम	मरना से पहिले मरि रहहू। असल जो हद है जो तुम चहहू।९८।	सतनाम	जियतहिं मुर्दा होय तब रहना। अवश्य तबहिं तुम पारा कहना।९९।	सतनाम
सतनाम	जेहि विधि पारा मरा न मारा। मलकल मौत सो करै विचारा।१००।	सतनाम	कहै फिरिश्तहिं से अस बरनी। पारा अमर हुआ केहि करनी।१०१।	सतनाम		सतनाम
			साखी - १४			
सतनाम	निकट जाय यमराज नहिं, सिर धुनि यम पछताय।	सतनाम	बूँद सिन्धु में मिल रहा, कौन सके विलगाय॥	सतनाम		सतनाम
			चौपाई			
सतनाम	पाँच पचीस तीन करि रीती। मन कहँ अँवटि सबन्हि कहँ जीती।१०२।	सतनाम	अनलहक वोए कहै पुकारी। है तेहिं लायक सो अधिकारी।१०३।	सतनाम	कहे जो वह मैं हौं भगवाना। तौ तेहिं कहै न ताजुब माना।१०४।	सतनाम
सतनाम	अग्नि में जाए काठ जो परई। जरिकै अग्नि होय सी बरई।१०५।	सतनाम		सतनाम		सतनाम
			6			
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
भयऊ अदग सो लाल अँगोरा। कहै आगि में अग्नि अँजोरा।१०६।	को अब काठ कहे तेहि आई। चीन्हे कौन काठ तेहि भाई।११०।	कवनो जल समुद्र में परई। दूजा नाम नहिं कोई धरई।१११।	सब कोई जाने सिन्धु अपारा। सो जल को बिलगावनिहारा।११२।	साखी - १५	सिंह निकट नहिं आवहिं, करि सियार सो प्रीति।	साधु सिंह मत सरस है, लियो मतंगहि जीत॥
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
कहा भेद यह गहिर गंभीरा। ज्ञान करार असल रंग हीरा।११३।	गोप भेद से जेहि गमि होई। सो जाने यह अबरि न होई।११४।	देखहु कोरान पुराण विचारी। सब घट अलह ब्रह्म उजियारी।११५।	बड़ मुशिकल यह पारख केरा। पारब्रह्म सब घट घट डेरा।११६।	ऐसी कली अनूपम सोई। बड़ा कष्ट करि चूनहिं कोई।११७।	गर्व गुमान भरा दिल तेरा। चिन्है न सब घट अलह बसेरा।११८।	मुरुचा जाहि मुकुर में लागा। प्रतिमा देखि न परे अभागा।११९।
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
जैसे भानु तेज प्रकाशा। नयन विहुनहिं नहि देखो तमाशा।१२०।	साखी - १६	है मगु साफ बरोबरे, मन्डा लोचन माहि।	कौन दोष मगु भानु कहँ, अपनहिं सूझत नाहिं॥	चौपाई	नहिं सूर्य अँधरहिं दिखलावे। नहिं मगु अँधरहिं चलन चलावें।१२१।	दगा कीन्ह परनाम गरुरी। जीव द्रोह अरु गर्व गरुरी।१२२।
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
हवा हिरिस कामादिक जेता। आँखि मन्डा दिल मुरचा तेता।१२३।	ब्रह्म साफ जैसे ध्रुव तारा। परा परद में घटा पसारा।१२४।	संत सिकिलिगर खोजहु जाई। मुरचा सिकिल करहु तुम भाई।१२५।	दिल ऐना होए साफ तुम्हारा। दिन दिन अधिक ज्योति उजियारा।१२६।	ऐना सिकिल साफ जो करहू। तौ एहि मगु पगु मोहकम धरहू।१२७।	तन मन से जिन्हि सिकिल कराई। सहि संकट होए साफ सफाई।१२८।	
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
			साखी - १७			
सतनाम			पहिले गुर शक्कर हुआ, चीनी मिश्री कीन्ह। मिश्री से तब कन्द भौ, एही सोहागिन चीन्ह॥		सतनाम	
			चौपाई			
सतनाम			जैसे बीज जमी महँ परई। खाक में मिलि खाक सिर धरई।१२६।		सतनाम	
			कछु दिन बीते सो अँकुराना। मैलि छुटा भूसा बिलगाना।१३०।			
सतनाम			जीव साफ होय भैऊ निनारा। बीज एक से भैउ हजार।१३१।		सतनाम	
			ऐसी सिकिल जाहि बनि आई। फेरि मुरचा नहिं लागे भाई।१३२।			
सतनाम			जाम एक यमशेद बनावा। ऐना साह सिकन्दर पावा।१३३।		सतनाम	
			है दोनहू कर एक प्रभाऊ। कहौं सो ताकर सुनहु सुभाऊ।१३४।			
सतनाम			आगे धरि देखो जो कोई। दुइ सत योजन दीसे सोई।१३५।		सतनाम	
			होय साफ दिल निकट नगीना। काह सिकन्दर कर वह आईना।१३६।			
			साखी - १८			
सतनाम			कहाँ जाम जमशेद है, काह सिकन्दर ऐन। दिल चश्मा सब ऊपरै, अविगति सूझत नैन॥		सतनाम	
			चौपाई			
सतनाम			अंजन कहों आंखि कर भाई। दीदम जासो होय सफाई।१३७।		सतनाम	
			दिल करु दीप ज्ञान करु तेला। इश्क राखु दिल बदी सकेला।१३८।			
सतनाम			आशा एक नाम सत धरहु। तामें दोविधा सब परिहरहु।१३९।		सतनाम	
			प्रेम सुरति बाती करु नीके। सत चिनिगी लै बारहु हीय के।१४०।			
सतनाम			निज दिल दीपक रौशन करहु। सो धुँआँ नैनहिं अनुसरहु।१४१।		सतनाम	
			लोचन विमल होय जब तोरा। अंधपट मिटै होय अंजोरा।१४२।			
सतनाम			यह सुरमा महँ है गुण भाई। सो बिनु सतगुरु काहु न पाई।१४३।		सतनाम	
			स्वर्ग नर्क की सुधि बिसरावे। जियतहिं मरे तबहिं बनि आवै।१४४।			
			साखी - १९			
सतनाम			एकै ब्रह्म सबे घट, जहाँ देखु तहँ एक। हृदय कमल उजियार भौ, करहु सरोद विवेक॥		सतनाम	
			चौपाई			
सतनाम			इंगला पिंगला सुखामनि नारी। बूझहु ताकर भेद विचारी।१४५।		सतनाम	
			इंगला बाम चन्द्र करु बासा। पिंगला दाहिने भानु प्रकाशा।१४६।			
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम

	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम		
सतनाम	ताके मध्य सुखामना अहई। चले सो दोनो स्वर में लहई।१४७। पाँच तत्व तहँ करे निवासा। अग्नि पवन क्षिति नीर आकाशा।१४८। अग्नि तत्व स्वर ऊपर बहई। तीक्ष्ण चाल पवन कर अहई।१४९। पृथ्वी सोहे चले चकोरा। नीचे बहे नीर तत्व जोरा।१५०।	सतनाम	क्षण बामे क्षण दाहिने बासा। दोनों स्वर चले सो तत्व आकाशा।१५१। पांचो तत्व चले स्वर माहीं। पारखा अहै साधु जन पाहीं।१५२।	सतनाम	साखी - २० अग्नि श्याम हरियर पवन, पृथ्वी पीत रंग होय। अरुण नीर आकाश तत्व, श्वेत वर्ण है सोय।। चौपाई पांच तत्व कर इन्द्री पाँचा। भयऊ बचन यह मानहु साँचा।१५३। अग्नि तत्व से नयन प्रकाशा। लोभ मोह तहाँ करे निवासा।१५४। नासिका पवन तत्व से भयऊ। गन्ध सुगन्ध बास तिन्हि पयऊ।१५५। पृथ्वी तत्व कर मुख भौ आई। भोजन अँवचन ताकर भाई।१५६। रसना लिंग नीर तत्व अहई। मैथुन कर्म स्वाद सो लहई।१५७। तत्व आकाश से श्रवण बनावा। शब्द कुशब्द सुनन कहँ पावा।१५८। चित्त में अग्नि नाभि में पवना। कहहु सो लखहु जहाँ रहु जवना।१५९। पृथ्वी हृदय नीर तत्व भाला। तत्व आकाश शीश में डाला।१६०।	सतनाम	साखी - २१ कान नाक मुख आँख श्रुति, पाँचो मुद्रा साँच। गोचरि खेचरि भोचरि, चंचरी उनमुनि पाँच।। चौपाई तत्व एक तेहि पाँच प्रकृती। लखाहिं साधु जन ताकर वृत्ती।१६१। अस्ति मेद रोम त्वचा नारी। पृथ्वी तत्व से पाँच सुधारी।१६२। रक्त वीर्य पित्त लार पसीना। नीर तत्व से भयऊ नवीना।१६३। आलस्य त्रिषा नींद भूख तेजा। अग्नि तत्व से पाँच सहेजा।१६४। चलन गान बल सकुच विवादा। पवन तत्व कर एहि मर्यादा।१६५। लोभ मोह शंका डर लाजा। तत्व आकाश कर सकल समाजा।१६६। रजगुण अग्नि तमोगुण वायु। सतगुण पृथ्वी नीर स्वभाऊ।१६७।	सतनाम
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम		

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
सतनाम	अधिक पाँच से भयऊ पचीसा। तीन गुण मिलि तीस तैंतीसा।१६८।	सतनाम	साखी - २२	सतनाम	पाँच तत्व की कोठरी, तामे जाल जंजाल।	सतनाम
सतनाम	जीव तहाँ बासा करे, निपट नगीचहिं काल॥	सतनाम	चौपाई	सतनाम	आँखि नाक जिभ्या त्वचा काना। पाँचो इन्द्री ज्ञान प्रधाना।१६९।	सतनाम
सतनाम	कर पगु लिंग गुदा मुख होई। पाँचों इन्द्री कर्म समोई।१७०।	सतनाम	यह दस इन्द्री कर परकारा। बूझहु पण्डित करहु विचारा।१७१।	सतनाम	मन एकादस सब कर राजा। जो जीते सो साधु समाजा।१७२।	सतनाम
सतनाम	पाँच पचीस सबै बस होई। मन इन्द्री कहँ जीते सोई।१७३।	सतनाम	सो मन रहु ब्रह्मा के पासा। सो मन शिव संग करे विलासा।१७४।	सतनाम	सो मन राम कृष्ण संग रहेऊ। सुर नर मुनि कोई पार न लहेऊ।१७५।	सतनाम
सतनाम	सो मन चारि वेद बिस्तारा। सो मन ब्यास ग्रन्थ अनुसारा।१७६।	सतनाम	साखी - २३	सतनाम	सो मन तीनों लोक महुँ, काहु परा नहिं चीन्ह।	सतनाम
सतनाम	धन्य साहब सतगुरु धनी, मोहिं लखाय जो दीन्ह॥	सतनाम	चौपाई	सतनाम	चन्द्र सूर्य कर सुनहु विधाना। दहिने बाये स्वर अनुमाना।१७७।	सतनाम
सतनाम	एक मास पक्ष दुइ समोई। कृष्ण पक्ष सूर्य कर होई।१७८।	सतनाम	परिवा दूजि तीजि लगि भानू। तिथि चन्द भानु तिथि जानू।१७९।	सतनाम	शुक्ल पक्ष चंदा कर बासा। तिजे तिथि लगि चंद प्रकाश।१८०।	सतनाम
सतनाम	तिथि सूर्य तिथि है चन्दा। एहि विधि स्वर दुवो करहिं आनंदा।१८१।	सतनाम	सोमवार बुद्ध गुरु शुक्र जानी। चन्दा के दिन चारि बखानी।१८२।	सतनाम	रवि शनि मंगल तीनों बारा। सूर्य के दिन करहु बिचारा।१८३।	सतनाम
सतनाम	थिर चर कारज दुइ जग माहीं। चर सूर्य थिर चन्दा पाहीं।१८४।	सतनाम	साखी - २४	सतनाम	थिर कारज को चन्द है, चर कारज कहँ भानु।	सतनाम
सतनाम	तत्व को पारख पाय के, जगत् कार्य करि जानु॥	सतनाम	चौपाई	सतनाम	भूषण बसन विवाह विधाना। औषधि प्रीति योग अरु ध्याना।१८५।	सतनाम
सतनाम		सतनाम	10	सतनाम		सतनाम

सतनाम सतनाम सतनाम सतनाम सतनाम सतनाम सतनाम

सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
सतनाम
स

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
सतनाम	पूरन दोउ कर दोउ स्वर बहई। दुइ सुत होय स्वरोदय कहई।२०३।	सतनाम	जो प्रसंग कछु पूछे कोई। करहु विचार स्वाँस में सोई।२०४।	सतनाम	चन्दा चलत जो पूछे आई। लगन बार तिथि योग सोहाई।२०५।	सतनाम
सतनाम	बायें सो ऊँचे होय कहई। जानहु सुफल कार्य सो अहई।२०६।	सतनाम	नीचे पीछे दहिने ओरा। सुर दाहिने कोई पूछे तोरा।२०७।	सतनाम	लगन वार तिथि योग ठिकाना। शुभ कार्य निश्चय परवाना।२०८।	सतनाम
सतनाम	साखी - २७					सतनाम
सतनाम	योग लगन तिथि बार पक्ष, मिलै सो पूरन काज।					सतनाम
सतनाम	इन्ह महुँ दुइ एक ना मिलै, तस तस मद्धिम साज।।					सतनाम
सतनाम	सोरठा - ४					सतनाम
सतनाम	कोई कतहीं मत जाय, सुखमनि के प्रकाश में।					सतनाम
सतनाम	ज्ञान ध्यान लवलाय, जगत् कार्य कहँ हानि है।					सतनाम
सतनाम	चौपाई					सतनाम
सतनाम	वृषिक सिंध वृष कुंभ पुनीता। चारि राशि चन्दा कर हीता।२०९।	सतनाम	कर्क मेष मकर औ तूला। चारि राशि भानु कर मूला।२१०।	सतनाम	कन्या मीन मिथुन धन चारी। कष्ट भाव सुखमना नारी।२११।	सतनाम
सतनाम	कृष्ण पक्ष परिवा कहँ भानू। प्रातहिं चले लाभ कछु जानू।२१२।	सतनाम	शुक्ल पक्ष परिवा कहँ चन्दा। भोरहिं बहे सो परम अनन्दा।२१३।	सतनाम	मास एक पक्ष दुई अहई। अनमिल चले हानि कछु लहई।२१४।	सतनाम
सतनाम	प्रातहिं परिवा सुखमन जाना। सो पक्ष हानि कलह अनुमाना।२१५।	सतनाम	लखो साधु जन भेद विचारी। ज्ञान गमी जब भए उजियारी।२१६।	सतनाम	साखी - २८	
सतनाम	का इंगला का पिंगला, कवनों स्वर एक होय।					सतनाम
सतनाम	बहते स्वर पूछै कोई, पूछे ताकर स्वर सोय।।					सतनाम
सतनाम	सोरठा - ५					सतनाम
सतनाम	कार्य पूरन हो, पूछै पूरन वो रही।					सतनाम
सतनाम	स्वर दुनो कहं जो, आपन पूछे ताहु कर।।					सतनाम
सतनाम	चौपाई					सतनाम
सतनाम	अहे स्वरोदय बहुत विस्तारा। ज्ञानी जन निजु करहिं विचारा।२१७।					सतनाम
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
सतनाम	अल्प भेद स्वर कहा बखानी। थोरहिं में समुझे कोई ज्ञानी।२१८।	सतनाम	आठ जाम पिंगला परगासा। तीनि वर्ष में काया विनासा।२१९।	सतनाम	ताकर दुगुना सो स्वर बहई। युगल वर्ष काया तब रहई।२२०।	सतनाम
सतनाम	उदय भानु जो होय पखवारा। अब जीवन षट मास विचारा।२२१।	सतनाम	रैनि चन्द बासर होय सूरा। एहि विधि उगे मास एक पूरा।२२२।	सतनाम	जीवन मास षट करहु विचारी। भेद स्वरोदय लेहु निरुआरी।२२३।	सतनाम
सतनाम	मास एक स्वर पिंगला बहई। अब दुइ दिन का जीवन अहई।२२४।	सतनाम	साखी - २६	सतनाम	गंगा यमुना सरस्वती, तीनों परि गयो रेत।	सतनाम
सतनाम	मुख से स्वांसा चलत है, काया विनासन हेत॥	सतनाम	चौपाई	सतनाम	चन्दा निश दिन होय प्रकासा। दिवस चारि करु एहि विधि बासा।२२५।	सतनाम
सतनाम	दिन सहस्त्र में काया विगोई। बचन स्वरोदय मिथ्या न होई।२२६।	सतनाम	यस यस चन्द उदै अधिकाना। तहाँ काल निकट नहिं आना।२२७।	सतनाम	वासर बीस उदै होय चन्दा। पूरन आरबल परम अनन्दा।२२८।	सतनाम
सतनाम	एक जाम सुखमना प्रकाश। निश्चय जानहु काया विनाशा।२२९।	सतनाम	रजनी पिंगला बहे सुधारा। वासर इंगला करु पैसारा।२३०।	सतनाम	हंस गवन को दुरि संयोगा। काया सुखि तनु व्यापु न रोग।२३१।	सतनाम
सतनाम	ध्रुव मण्डल नहिं दरसे आई। दुइ पक्ष ऊपर काया नसाई।२३२।	सतनाम	पवन साधना योगी करई। अंजहु काया पतन होय मरई।२३३।	सतनाम	साखी - ३०	सतनाम
सतनाम	काया पतन सबकी भई, रुधिर नीर को अंग।	सतनाम	जरा मरन को देश है, भविनिधि विखम तरंग॥	सतनाम	चौपाई	सतनाम
सतनाम	पाँच तत्व यह जेहि विधि भयऊ। बिरला जन कोई पारष पयऊ।२३४।	सतनाम	तत्व अकाश सबन्हि को मूला। तासो चार तत्व समतूला।२३५।	सतनाम	पवन आकाश तत्व से होई। पवन से अग्नि तत्व भव सोई।२३६।	सतनाम
सतनाम	पावक से जल भये प्रकाशा। जल से पृथ्वी तत्व सुनु दासा।२३७।	सतनाम	प्रेम मगन से सभे दीखाई। बिनु देखौ नहिं कोई पतिआइ।२३८।	सतनाम	जैसे कछुआ सिमिट समाना। आपु में आपु देख दिल माना।२३९।	सतनाम
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
इश्क प्रेम धन जीवन सारा। साहब सतगुरु भयऊ हमारा।२४०।						
नरक स्वर्ग की सुधि बिसराई। तन मन वारि सभे कछु पाई।२४१।	सतनाम					सतनाम
साखी - ३१						
सतपुरुष के मिलन से, नैन भया खुशहाल।	सतनाम					सतनाम
दिल मन मतवाला हुआ, गूँगा गहिर रिशाल।।						
चौपाई						
यह भव शोक सभे बिसराई। कामिनि कनक ना कर फैलाई।२४२।	सतनाम					सतनाम
तब मैं आपु आपु में देखा। समुझि परा मोहिं सकल विशेषा।२४३।						
मैं फरजंद पुरुष सत केरा। रोशन दिल चिराग है मेरा।२४४।	सतनाम					सतनाम
जस मैं तस मैं देखु विचारी। सुझे ना बिनु दीपक अंधियारी।२४५।						
केहि कारण भूला तुम रहहू। एहि भव शोक महा दुःख सहहू।२४६।	सतनाम					सतनाम
देखाहि नजरी करी अनुमाना। लीला जाकर युगल जहाना।२४७।						
बादशाह सोइ साहब मेरा। दुनियाँ दीन दुनों तेहि केरा।२४८।	सतनाम					सतनाम
तन तुम्हार जिन्हि सकल बनावा। दुई जहान जग सुभग सोहावा।२४९।						
साखी - ३२						
गहिर भेद यह कहत हों, जीव कृतार्थ होत।	सतनाम					सतनाम
बुझहु विवेक बिचारि के, अब जनि रहहु अचेत।।						
चौपाई						
तन सरवर है युगल जहाना। दहिने बाये भाँति दुइ जाना।२५०।	सतनाम					सतनाम
दुइ पगु दुइ कर पल्लव पाँती। नासा श्रवन नैन दुइ भाँती।२५१।						
रद मुखा दशन कपाल उरेहा। इमि दुइ भाँतिन सरबस देहा।२५२।	सतनाम					सतनाम
दुइ जहान एहि भाँति विशाला। तामें जल थल सप्त पताला।२५३।						
पद पताल शीस असमाना। मध्य भवसागर अवनि समाना।२५४।	सतनाम					सतनाम
माटी मासु रक्त सोइ नीरा। नदी नार रंग शकल शरीरा।२५५।						
दिल गरकाब सिन्धु अनुमानी। गिरिवर तन में अस्थि बखानी।२५६।	सतनाम					सतनाम
रोम बार तन ऊपर पसारा। बन उपवन वाटिका सँवारा।२५७।						
साखी - ३३						
दरिया भेदहिं जानिये, यह तो काया ब्रह्मण्ड।	सतनाम					सतनाम
सात गिरह नव टूक तन, सात द्विप नव खण्ड।।						
14						
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
			सोरठा - ६			
सतनाम			काया मसाला चारि, गंज भेद दिल जानिये।		सतनाम	
			ज्ञान स्वरोदय विचारि, ज्ञानी होय सो गुण लहै॥			
			चौपाई			
सतनाम			पुल समान नासिका अहई। आवत जात स्वाँस में रहई।२५८।		सतनाम	
			मेहर तराजू भौहे बनावा। तेहि दुइ पलरा नैन लगावा।२५९।			
			दोउ दम चाँद सूर्य नित चलहीं। तारा गण ललाट में रहहीं।२६०।			
सतनाम			श्रमकन होय झलकि तन आवे। बुझे भेद जो गमि करि पावे।२६१।		सतनाम	
			जागत रहहु सो दिन है भाई। सोय रहहु सो निशि भौ आई।२६२।			
			खुश दिल तेरा सो भयऊ बिहाना। दिल में शोक साँझ सोइ जाना।२६३।			
सतनाम			स्वर्ग नर्क दुवो लेहु बिचारी। सुख है स्वर्ग नर्क दुःख भारी।२६४।		सतनाम	
			जो नहिं रोग शोक दुःख लहई। एहि तेजि स्वर्ग बिहिश्त का चहई।२६५।			
			साखी - ३४			
सतनाम			दिल समुद्र घन शोक है, सूँढ़ विवेक समीर।		सतनाम	
			ले जल ऊपर घैचिया, बरसत नैनहिं नीर॥			
			चौपाई			
सतनाम			बिरह विवेक सो वर्षा होई। बिहसहिं दामिनि दमके सोई।२६६।		सतनाम	
			हँसहु ठठाया सो घन घहराना। उदय अस्त ले सब केहु जाना।२६७।			
			जो पल स्वाँस चले तन माहीं। दिन पक्ष मास वर्ष युग जाहीं।२६८।			
सतनाम			जब जीवहिं यमराज सतावा। तबहिं कल्प भय प्रलय जनावा।२६९।		सतनाम	
			धन-धन साहब सिरजनि हारा। बुन्द एक जल सृष्टि सँवारा।२७०।			
			युगल जहाँन काया जिन्हि कीन्हाँ। तामें सब यह उपमा दीन्हाँ।२७१।			
सतनाम			काबा किबिला सब निजु हेरा। मुलुक महम्मद दिल है तेरा।२७२।		सतनाम	
			रसना नैन नासिका काना। प्रथम काया संग चारि प्रधाना।२७३।			
			साखी - ३५			
सतनाम			एही किताबें चारि हैं, कहे ओलि कोई जानि।		सतनाम	
			तौरेज अंजील है, औ जमूर फूरकान॥			
			चौपाई			
सतनाम			एहि नबी कर चारो यारा। औवल असल पीर है चारा।२७४।		सतनाम	
सतनाम	सतनाम	सतनाम	15	सतनाम	सतनाम	सतनाम

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
सतनाम	एही तरीकत चारो जानी। एही वजीफा चारि बखानी।२७५।	सतनाम	एहि फिरिश्ता चारि कहाया। एहि चारि खम्भा तन लाया।२७६।	सतनाम	एही चारि चारो अंश सोहावा। खाक बाव यह आतश आवा।२७७।	सतनाम
सतनाम	एही चारि वेद पहचानो। ऋग यजु साम अथरवेद जानो।२७८।	सतनाम	एही चतुर्मुख ब्रह्मा होई। एही चारि मुद्रा है सोई।२७९।	सतनाम	पावक अवनि पवन औ पानी। चारो तत्व एही कहँ जानी।२८०।	सतनाम
सतनाम	एही चारि है चारिउ कोना। एहि में खाक एही में सोना।२८१।	सतनाम	साखी - ३६	सतनाम	दरिया तन से नहिं जुदा, सब कछु तन के माहिं।	सतनाम
सतनाम	योग युक्ति से पाइये, बिना युक्ति कछु नाहिं॥	सतनाम	चौपाई	सतनाम	जो कोई युक्ति योग में आवे। दीदम दीद देखि सो पावे।२८२।	सतनाम
सतनाम	तीनि लोक यह तन के माहीं। ढूँढत अन्त मिला कछु नाहिं।२८३।	सतनाम	धन्य कारीगर जिन्हि सिरजि सँवारा। मानुष तन सब ऊपर सारा।२८४।	सतनाम	होहु स्वरोदय तुम साहब केरा। अलख ब्रह्म गुण भेद बसेरा।२८५।	सतनाम
सतनाम	तुमहिं सुभग मकुर हो भाई। तोहि में साहब सुरति दिखाई।२८६।	सतनाम	तै पंछी तेहि अजर अमाना। सैल करत यहाँ आय भुलाना।२८७।	सतनाम	गाफिल आन परा केहि हेतू। देखु आपु होय आपु सचेतू।२८८।	सतनाम
सतनाम	तजहु गफलत लहहु बड़ाई। अब जनि एहि भव रहहु भुलाई।२८९।	सतनाम	साखी - ३७	सतनाम	खास आपने मुख कहा, नबी से अल्लह विचारि।	सतनाम
सतनाम	बुजुरुग आदम जात है, जीव चराचर झारि॥	सतनाम	चौपाई	सतनाम	युक्ति योग मानुष तन माहीं। कस्तूरी गुण दिल तेहि पाहीं।२९०।	सतनाम
सतनाम	अकिल वजीर साथ करि दीन्हा। दर्श दीदार आँख दुइ कीन्हा।२९१।	सतनाम	नाम उचारन जिहवा सँवारी। सुनन नाम गुण श्रवण सुधारी।२९२।	सतनाम	घ्राणि नासिका अजब सोहावा। पाँच सीप मनि पाँचहु पावा।२९३।	सतनाम
सतनाम	है हदीस में नबी बखाना। हाफिज फाजिल हो सो जाना।२९४।	सतनाम	पाक मोम दिल बन्दा तेरा। कहा अल्लाह असर है मेरा।२९५।	सतनाम		सतनाम
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
सतनाम	बहुत ऊँच पदवी तुम पावा। दिल तुम्हार रब के मन भावा।२६६। एह सुनि जो तुम होहु सयाना। तुरत करहु दिल साफ अपाना।२६७। साखी - ३८ काम क्रोध मद लोभ जत, गर्व गरूरी झारि। विमल प्रेम मनि बारि के, राखहु दिल उजियार॥ चौपाई बादशाह रब दोनों जहाना। तासो मिलि रहु अबहिं मिलाना।२६८। का भुलन्हि सँग रहहु भुलाई। ज्ञानी जन कहँ दुःख नहिं भाई।२६९। सिंह करे लोमरि सँग प्रीति। मर्द करे हिजरन्हि से रीती।३००। आपन मान मर्याद गँवाई। अस कुसंग करि अपयश पाई।३०१। सिंह ठवन्हिं रहु सिंहन्हि पासा। मर्द मर्द संग मजलिस बासा।३०२। प्रेम पन्थ पर तन मन वारो। यार मिलन की राह सँवारो।३०३। जब हो प्रकट प्रेम दिल माहीं। तब मगु पूछहँ सतगुरु पाहीं।३०४। सोई देखावहिं सकल ठिकाना। आपु में आपु मकान अपाना।३०५। साखी - ३९ जैसे अनुभव किछु कहीं, सुने काहू से कोय॥ आपु कबहिं देखा नहिं, जानै चहत है सोय॥ चौपाई किमि कर पावे ठौर ठिकाना। अनुभव जगह चाहे कोई जाना।३०६। रहबर मिले तो पहुँचे जाई। जिन्हि देखा सो देहिं दिखाई।३०७। जैसे बीज जमी में परई। समय सजीवन जाय अकुंराई।३०८। जे कोई मदद न करें सहाई। निष्फल जाय फले नहिं भाई।३०९। तेहि विधि प्रेम हृदय में होई। बिन सतगुरु फल लहे न कोई।३१०। प्रथम प्रेम मगु मोहकम पाऊँ। यार मिलन कर खोजहु ठाँऊँ।३११। पहिले सतगुरु सो कर प्रीति। सत बचन मानहु प्रतीती।३१२। इश्क प्रेम पंथ बड़ कठिनाई। ठग बटवार लगा बहु भाई।३१३। साखी - ४० दरिया डरु मत ताहि से, ज्ञान बान तोहि पास। मदद वेवाहा शाह का, ठग बटवारन्हि नाश॥	सतनाम				
सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम

17

सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम	सतनाम
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

